No. of Printed Pages : 6

BPY–006

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2025

(Elective Course : Philosophy)

BPY-006 : METAPHYSICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Write an essay on the Psychological Dimension of Human-Person. 20

Or

Discuss in detail the concept of Being developed in contemporary period. 20

2. Discuss and analyze the problem of One and Many. 20

Or

Discuss in detail the etymology and scope of Metaphysics. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Explain in brief the nature of substance. 10

   (b) Discuss the idea of individuation in Aristotle's philosophy. 10

   (c) How can an entity be defined as an individual ? 10

   (d) What is the relation between matter and form ? Discuss. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Differentiate between 'Being as an Essence' and 'Being as Esse'. 5

   (b) Do you agree that 'freedom is limited' ? Justify your answer. 5

   (c) Write a note on the idea of Prime matter. 5

   (d) What is Ontology ? 5

(e) Do you agree with the claim that 'pure desire to know' is the starting point of metaphysics ? Justify your answer. 5

(f) Write a note on the idea of intuition as method of metaphysics. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Deduction 4

(b) Free will 4

(c) Pure Act 4

(d) Intrinsic cause 4

(e) Logical truth 4

(f) Kant's idea of Beauty 4

(g) Concept of Pasu 4

(h) Extrinsic cause 4

BPY–006

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.-006 : तत्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** व **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. मानव-व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक आयाम पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

समकालीन युग में विकसित सत् की अवधारणा पर विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए। 20

2. एक और अनेक की समस्या की चर्चा कीजिए और विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

तत्वमीमांसा की व्युत्पत्ति और सीमा की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) पदार्थ की प्रकृति की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

(ख) अरस्तू के दर्शन में वैयक्तिकरण के विचार की चर्चा कीजिए। 10

(ग) किसी वस्तु/सत्ता को व्यष्टि की तरह कैसे परिभाषित किया जा सकता है ? 10

(घ) द्रव्य और आकार में क्या सम्बन्ध है ? चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) "सार के रूप में सत्" और "सार के होने के ढंग के रूप में सत्" के मध्य अंतर कीजिए। 5

(ख) क्या आप सहमत हैं कि 'स्वतन्त्रता सीमित होती है' ? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 5

(ग) आद्य द्रव्य के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

(घ) सत्तामीमांसा क्या है ? 5

(ङ) क्या आप इस दावे से सहमत हैं कि 'जानने की शुद्ध इच्छा' तत्वमीमांसा का आरम्भ बिंदु है ? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 5

(च) तत्वमीमांसा की पद्धति के रूप में अन्त:प्रज्ञा के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) निगमन 4

(ख) संकल्प-स्वातंत्र्य 4

(ग) शुद्ध क्रिया 4

(घ) आन्तरिक कारण 4

(ङ) तार्किक सत्य 4

(च) काण्ट का सौन्दर्य का विचार 4

(छ) पशु की अवधारणा 4

(ज) बाह्य कारण 4

× × × × ×